मेरठ, गाजियाबाद, लखनऊ एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक

प्रभात प्रकाशन का 72 सालवां

स्थापित 1944

प्रभात

सीधी बात-सच्ची बात

पर्यावरण की विनाशकारी परिस्थिति पर अमेरिका की नकारात्मक सोच

लखनऊ। प्रभात

अमेरिकी रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रम्प ने पर्यावरण और अमेरिका की जलवायु नीतियों के बारे में कई तरह की टिप्पणियां पूर्व मे की हैंए उनमें से ग्लोबल वार्मिंग को चीनियों द्वारा बनाई गई एक धोखाधडी की संज्ञा दी है और कहा कि पर्यावरणीय संरक्षण नीति ;ईपीएद्ध एक कलन्क है और इसे खत्म करने की आवश्यकता है तथा अमरीकी राज्य को वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों से खतरा हैं। सारा पॉलिन के 2008 के अभियान को श्डिलए बेबीए ड्रिलश् कहना शुरू कर देती हैए जो लगभग सहज लगता है लेकिन उनकी यह अपरिपक्व टिप्पणीए पर्यावरण और वैज्ञानिक समुदाय के लोगों के लिए कोई हंसी की बात नहीं हैए जो लोग इसके लिए समर्पित हैं और ग्रह की अनिश्चित स्थिति का अध्ययन करने के लिए जीवन को लगा रहे हैं।

फ्रांस में रह रहे यूनेस्को विश्व विरासत केंद्र के स्थायी पर्यटन कार्यक्रम के वरिष्ठ परियोजना अधिकारीए पीटर डेब्रिन कहते हैं कि. लोगों ने सोचा कि ब्रिटेन से बाहर जाने ;ब्रेक्सिटद्ध जैसा संदेश पुनः नहीं होगाए लेकिन ट्रम्प का संदेश भी उन जैसे बहुत से लोगों के साथ मेल खाता है। इस तरह की बात ब्रिटेन में हुई थीए इसलिए जो लोग डरे हुए हैं उन्हें कम मत समझिए। हमें इसी तरह से समझना और जवाब देना होगाए जैसा कि उन लोगों को महसूस हो रहा है होगा और सुना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प कों राष्ट्रपति चुने जाने व चुनाव के परिणाम की घोषणा के पूर्वय देश भर के वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों ने संभावित पर्यावरणीय प्रभाव पर अपनी राय व्यक्त की थी जिसका कुछ अंश निम्नलिखित है-

रक्षा विभाग (डीओडी) जो पहली गैर.पर्यावरणीय अमेरिकी एजेंसियों में से एक थीए उसने एक रिपोर्ट जारी की कि जलवायु परिवर्तन एक वास्तविक और अपार चिंता का विषय है। पिछले दो.वर्ष पूर्व 2016 की जुलाई में जारी की गई एक रिपोर्ट में कहा गया था कि श्जलवायु परिवर्तन हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक अति आवश्यक व बढ़ता हुआ खतरा हैए जो प्राकृतिक आपदाओंए शरणार्थी प्रवाह में वृद्धिए और भोजन और पानी जैसे बुनियादी संसाधनों पर संघर्षपूर्ण कार्य के लिये चिंता पैदा करता है। रिपोर्ट पर यदि विशेष ध्यान दिया जाय तो यह स्पष्ट होता है कि ये प्रभाव जो पहले से ही हो रहे हैंए समय

एक बहस

प्रो भरत राज सिंह
महानिदेशक
एसएमएस एवं
अध्यक्ष, वैदिक
विज्ञान केन्द्र

के साथ उन ऐसी समस्याओं का दायरा पैमाना और उनकी तीव्रता मे बढ़ोत्तरी निरन्तर होती जाएगी। पेंटागन के अधिकारियों ने इस रिपोर्ट में कहा है कि जलवायु परिवर्तन सुरक्षा के लिये एक जोखिम है क्योंकि यह मानव सुरक्षा और सरकारों की उनकी आबादी की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता के साथ.साथ रिहायसी स्थिति को भी खराब करता दिखाता है।

ट्रम्प की स्थिति यह है कि वह डीओडी के प्रयासों को बहुत कम आकलन करने के लिए तत्पर हैं और नही उन्हे जलवायु परिवर्तन में बहुत बड़ा विश्वास है और वह पिछले आठ वर्षों के दौरानए जलवायु परिवर्तन के संबंध में लागू की गईए सभी पर्यावरणीय नीतियों को वापस ले सकते है। यह भी सही है कि कोई भी राष्ट्रपति हालांकि किसी विशेष पर्यावरणीय एजेंडे को आगे बढ़ाने के कई तरीके खोज सकते हैंए जैसे कार्यकारी आदेश और अन्य उपाय। जिनमें से सभी अपने क्षेत्र में निरंतर ध्यान देने हेतु लगा सकते हैंए जिससे ऐसे मामले के लिए दुनिया भर में नजर रख सके। व्हाइट हाउस जो विज्ञान विरोधी और जीवाश्म ईंधन अधिक प्रभावी रूप मे उप्योग करने व पर्यावरण संरक्षण नीति ;ईपीएद्ध को नष्ट करना चाहता हैए तों स्थिति बहुत ही अस्थिर हो जायेगी।

स्वच्छ जल व वायु अधिनियम नीति

1972 में स्वच्छ जल अधिनियम नीति को विकसित करने हेतु पारित किया गया था जिससे देश के जलमार्ग के प्रदूषण को कम किया जा सके। परंतु उस समयए देश की झीलोंए नदियों और तटीय जल का लगभग दो.तिहाई हिस्सा मछली पकड़ने या तैरने जैसी गतिविधियों के लिए असुरक्षित हो गया था। यह देश का पहला और सबसे प्रभावशाली पर्यावरण कानूनों में से एक था।

इस बीच, स्वच्छ वायु अधिनियम जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और कल्याण को खतरे में डालने वाले प्रदूषकों के उत्सर्जन को रोकने लिए बनाया गया है तथा दुनिया के सबसे व्यापक वायु गुणवत्ता कानूनों में से एक है । संघ के वैज्ञानिकों के अनुसारए इस अधिनियम ने खतरनाक प्रदूषण को काफी कम कर दिया है। संगठन का कहना है कि स्वच्छ वायु अधिनियम ने ओजोन परत और गैसोलीन में सीसे की मात्रा को कम कियाए जिससे 1980 के बाद से वायु प्रदूषण में 92ः की कमी आई है। स्वच्छ वायु अधिनियम के नियमों ने उद्योगों को अत्याधुनिक समाधानों को विकसित करने और अपनाने के लिए प्रेरित किया है जो बिजली संयंत्रोंए कारखानों और कारों से प्रदूषण को कम करते हैंए और इस प्रक्रिया मेंए संगठन का कहना है कि नई नौकरियां भी पैदा हुई हैं। चेसेक अपनी बात जारी रखते है कि. श्हमें व्हाइट हाउस में किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत है जो यह समझ सके कि पर्यावरण नीति नकारात्मक तथा आर्थिक.विरोधी नीति नहीं है।

पेरिस समझौता

ट्रम्प जब वह कार्यालय में होते है तो उनका एक ही उद्देश्य होता है कि वह ऐतिहासिक पेरिस समझौते के मसौदे को रद्द करने की कोशिश करते है और यह भी दावा करते है कि यह समझौता विदेशी नौकरशाहों के अंकुश अथवा नियंत्रण मे पहुंच जायेगा कि हम अमेरिका में कितनी ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं। वर्ष 2020 तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन समझौता नीति के अनुसार वैश्विक औसत तापमान की वृद्धि मे पूर्व.औद्योगिक स्तरों से 2 डिग्री सेल्सियस तापमान मे कमी लाना होगा। प्रत्येक भाग लेने वाले दुनियाभर के देशो को अपने स्वयं के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के योगदान को एक सीमा तक निश्चित करना पडेगा।

जमीनी हकीकत यह है कि पर्यावरण नियमों, पर्यावरण कार्यक्रमों और राष्ट्र और दुनिया की मदद करने वाली एजेंसियों के प्रति ट्रम्प की शत्रुता न केवल विशाल क्षेत्रोंवाली आबादी के लिए विवादास्पद हैए बल्कि वे एक ऐसे व्यक्तित्व है जो उनपर ध्यान भी नही देना चाहते हैं जबकि अमेरिका को फिर से महान बनाने के अपने लक्ष्यपर जोर देने की चर्चा करते है। परंतु अमेरिका को निरंतर महानता की तरफ ले जाने के लिए ऊची सोच व दूर.दृष्टि की आवश्यकता हैए नकि इस घड़ी को 50 साल पीछे पहुचाना। इसमे नव.प्रवर्तनकर्ताओंए हरित.प्रौद्योगिकी और निरंतर विचारशील प्रगति को आगे बढाना शामिल हैए जो एक राष्ट्र के रूप मंन उसकी सुरक्षा को सुनिश्चित करने मे सहायक रहे।